भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 07 सितंबर, 2020 को "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में वेबीनार (WEBINAR) के माध्यम से "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन 07 सितंबर, 2020 को किया गया। "हिंदी कार्यशाला" के अवसर पर मुख्य प्रवक्ता के रूप में श्री ए. के. जगदीसन, सहायक निदेशक (राजभाषा), भारतीय बागवानी अनुसन्धान संस्थान (आई.आई.एच.आर.) बेंगलुरु, का स्वागत, ब्यूरो की निदेशक महोदय, डॉ. एन. भक्तवत्सलम ने किया। निदेशक महोदय द्वारा द्वीप प्रजल्वित करके हिंदी कार्यशाला की शुरुआत की गयी।

इस कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में ब्यूरो के निदेशक, डॉ. एन. भक्तवत्सलम ने भारत सरकार की हाल ही में अपनाई जाने वाली शिक्षा नीति के लागू करने में हिंदी की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तदोपरान्त निदेशक महोदय ने हिन्दी में सरल भाषा अपनाते हुए वैज्ञानिक पुस्तकें लिखने पर जोर देते हुए कहा कि, इन पुस्तकों के माध्यम से परिषद के संस्थानों द्वारा विकसित होने वाली नई-नई तकनीकों को देश के किसानों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। निदेशक महोदय ने कहा जैसेकि अन्य देशों में होता है कि वे अपनी मातृभाषा में वैज्ञानिक जरनल्स आदि प्रकाशित करते हैं, वैसे ही हमारे देश में भी जरनल्स आदि हिन्दी भाषा में प्रकाशित होने चाहियें जिनसे हमारे विद्यार्थियों और अनुसंधानकर्ता लाभान्वित होंगे।

तदोपरांत, श्री ए. के. जगदीसन, सहायक निदेशक (राजभाषा), भारतीय बागवानी अनुसन्धान संस्थान, बेंगलुरु ने **"हिंदी में वज्ञानिक लेखन"** विषय पर अति महत्वपूर्ण जानकारी कार्यशाला में भाग ले रहे इस ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों को दी।

इस हिंदी कार्यशाला का संचालन श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया। वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश नाविक, द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ "हिंदी कार्यशाला" का समापन हुआ।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन